हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 270 देहरादून, शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

बजट खर्च न करने वाले होंगे दंडित, महाराज की दो टूक हिदायत

3

विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं का हो त्वरित समाधान : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , विभागीय अधिकारी विधायकों द्वारा इंगित की जाने वाली विधानसभा क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए, उनका समाधान करें। राज्य के समग्र विकास के लिए सबको एकजुट होकर कार्य करना होगा। जिलाधिकारी भी जनपदों में समय-समय पर विधायकों के साथ बैठक कर उनके क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान करें। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में विधान सभा क्षेत्र यमुनोत्री, बद्रीनाथ, प्रतापनगर, चकराता, ज्वालापुर, भगवानपुर, झबरेड़ा, पिरान कलियर, मंगलौर, लक्सर, खानपुर एवं हरिद्वार ग्रामीण की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाई जाय। यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रीष्म काल में लोगों को पेयजल की किल्लत न हो। विकास कार्यों में तेजी लाने तथा क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी कार्यों की प्रगति को देखने के लिए अधिकारियों को क्षेत्र आवंटित करें एवं समय-समय पर स्वयं निरीक्षण करें। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से तहसील स्तर पर भी आवश्यक उपकरणों एवं मानव संसाधन की पूरी व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कृषि, बागवानी, पर्यटन, उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सराकर द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। स्वास्थ्य शिक्षा, कनेक्टिविटी को और सृदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। लोगों की आजीविका में वृद्धि के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

बैठक में विधाकगणों द्वारा सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़कीरण, पेयजल के लिए हैण्डपम्पों की आवश्यकता, पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने, बाढ़ सुरक्षा के कार्य, कूड़ा निस्तारण की समस्या, ड्रेनेज एवं सीवरेज की समस्या एवं अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकगणों द्वारा जो भी जन समस्याएं रखी गई हैं, उनका हर संभव समाधान किया जायेगा।बैठक के दौरान विधायकों ने प्रदेश के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की जा रही पहल की सराहना की। उन्होंने इस पहल को राज्य के व्यापक हित में भी बताया।बैठक में विधायक प्रीतम सिंह, ई. रवि बहादुर, ममता राकेश, वीरेन्द्र कुमार, फुरकान अहमद, सरवत करीम अंसारी, शहजाद, अनुपमा रावत, संजय डोभाल, विक्रम सिंह नेगी, राजेन्द्र सिंह भण्डारी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, नितेश झा, बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, डॉ. पंकज कुमार एच.सी. सेमवाल, दीपेन्द्र चौधरी, डॉ. आर राजेश कुमार, शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी, विभिन्न विभागीय अधिकारी, वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे

मुख्यमंत्री धामी के 'भयमुक्त प्रदेश' कार्यक्रम को धरातल पर मजबूती से साकार करा रहे है सचिव दीपक कुमार

प्रदेश के पुलिस कप्तानों को ज़ोरदार अंदाज़ में समझाया मुख्यमंत्री का विज़न 'भयमुक्त प्रदेश'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,20 अप्रैल। उत्तराखंड के धाकड़ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विभागों में से एक, कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग, जहाँ एक ओर ₹सरकार जनता के द्वार₹, ₹ हमारा संकल्प अनुशाषित प्रदेश₹ एवं ₹ हमारा संकल्प भयमुक्त समाज₹ के तहत चार स्तरीय मॉनीटरिंग प्रणाली के तहत प्रथम स्तर पे जिलाधिकारियों एवं मंडल आयुक्तों के माध्यम से, द्वितीय स्तर पे जनपदों के प्रभारी सचिवौं के माध्यम से, तृतीय स्तर पे शासन के विशेष कार्याधिकरियों के माध्यम से एवं चतुर्थ स्तर पे जनपदों के प्रभारी मा मंत्रीगणौं के माध्यम से योजनाऔं का क्रियान्वन व अनुश्रवण करवा रहा हे;

वही विभाग के सचिव दीपक कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तराखंड के समस्त जिलों के पुलिस कप्तानों के साथ ₹भयमुक्त समाज₹ शासनादेश के तहत समीक्षा बैठक की। बैठक में महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करण सिंह नग्न्याल, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव कार्यक्रम क्रियान्वयन वीरेंद्र पाल सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय अनन्त ताकवाले, संयुक्त सचिव न्याय विभाग अशोक कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुमायूं परिक्षेत्र एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न थानों/मा न्यायालयों मैं लम्बित अपराधों/मुकदमों, विवेचना में शिथिलता/विलम्ब, अपराधियों/ गैंगस्टर का चिन्हिकरण, जनसामान्य/ पीड़ित व्यक्ति की प्रथम सूचना रिपोर्ट में विलम्ब, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, अभिसूचना तंत्र, कानून व्यवस्था की चर्चा इत्यादि विषयों पे चर्चा के साथ साथ समाज को भयमुक्त करने की दिशा में उत्कृष्ठ सुझाव प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त आज के परिप्रेक्ष्य में अन्य प्रकृति के गम्भीर अपराध जैसे पोक्सो, साईबर, आई टी ऐक्ट, बाल श्रम, SC/ST ऐक्ट, NDPS ऐक्ट, बैंक फ्रॉड, लैंगिक अपराध आदि पे भी चर्चा की गयी एवं सचिव द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये।

राइंका नैनीसैंण चमोली के 'प्लेटिनम जुबली' समारोह में राज्यपाल ने किया मुख्य अतिथि वर्चुअली प्रतिभाग

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को राजभवन से अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, नैनीसैंण चमोली के 'प्लेटिनम जुबली' समारोह में बतौर मुख्य अतिथि वर्चुअली प्रतिभाग किया। उन्होंने विद्यालय की 75 वर्षों की विकास यात्रा से जुड़े सभी शिक्षकों, समाज सेवियों और योगदान देने वाले सभी लोगों को प्लेटिनम जुबली मनाने हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के योगदान की प्रसंशा की।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि विद्यालय ने इन 75 वर्षों की यात्रा में अनेक प्रतिभाओं को जन्म दिया है, जो देश-विदेशों में उत्तराखण्ड का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय ने शिक्षा की जो ज्योति व प्रकाश फैलाया है वह प्रेरणादायी है। शिक्षा का दीप जलाना अपने आप में सबसे महान कार्य है, शिक्षा का एक दीप अनेक प्रकाश स्तंभों को प्रकाशित करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि अटल उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना से शिक्षा के विकास में एक बड़ा योगदान मिल रहा है। हमें शिक्षा के हर पैमाने को उत्कृष्टता के स्तर पर पहुंचाना होगा। हर एक छात्र को उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो इस दिशा में सही कदम बढ़ाने होंगे। समान शिक्षा और समान अवसर हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि छात्र अभी से अपने अन्दर नेतृत्व की भावना पैदा करें। और अपने प्रयासों से राष्ट्र व समाज के निमार्ण में योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस, साईबर, क्वांटम आदि विषयों की ओर रूचि लें और उन्हें अपने जीवन में उतारें।

राज्यपाल ने कहा कि इस विद्यालय में प्रधानाचार्य और अन्य कुछ शिक्षकों के रिक्त पदों को भरे जाने और विद्यालय में लैब की स्थापना व अन्य जरूरी संसाधन हेतु प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारे गांव, हमारी संस्कृति और समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। सीमांत गांवों में जरूरी संसाधन जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य कनेक्टिविटी आदि को जुटाने का सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है। अमृतकाल के इस समय में भारत के विकसित राष्ट्र और विश्व गुरु बनने में हमारे गांवों का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। हमारे गांव, तहसील, ब्लाक और जिलों के विकास से ही हमारे राष्ट्र का विकास संभव है।

राज्यपाल ने कहा कि हम उत्तराखण्ड में रिवर्स माईग्रेशन की दिशा में रास्ते तलाश रहे हैं, पहाड़ों से पलायन को रोकने के लिए, स्वरोजगार और उद्यमों के विकास की दिशा में कार्य करना होगा।

नैनीताल जाने वाले ध्यान दें, यहां रहना खाना और घूमना हो गया महंगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 21 अप्रैल : क्या आप भी गर्मी में अपने परिवार और दोस्तों के साथ में नैनीताल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो अपनी जेब ढीली करने के लिए तैयार हो जाइये। लगातार बढ़ती महंगाई का असर पर्यटन पर भी साफ दिखाई दे आ रहा है। यदि आप नैनीताल में घूमने के लिए आ रहे हैं तो इस बार आपको खाने पीने और रहने समेत अन्य सभी गतिविधियों में पिछले वर्षों के मुकाबले कहीं अधिक धनराशि खर्च करनी होगी। नैनी झील में बोटिंग के शौकीन लोगों को इस साल ज़्यादा पैसा देना पड़ेगा। बीते वर्षों के मुकाबले इस वर्ष नैनीताल में नौकायन का किराया दो गुना कर दिया गया है। पूर्व में नैनीझील में आधा चक्कर नौकायन का किराया 160 रुपये था जबकि पूरे चक्कर का 210 रुपये था। लेकिन इस वर्ष अप्रैल से यह किराया बढ़ाकर आधा चक्कर का 320 रुपये और पूरा चक्कर 420 रुपये प्रति नाव का हो गया है।

वहीं नैनीताल पहुंचने वाले पर्यटकों को चिड़ियाघर में वन्यजीवों के दीदार के लिए प्रति व्यक्ति 100 रुपये चुकाने होंगे।पूर्व में बच्चों के प्रवेश का 20 रुपये और वयस्कों का 50 रुपये किराया निर्धारित था। नैनीताल में भ्रमण के अलावा यहां पर एंट्री भी मुफ्त में नहीं मिलेगी। यही प्रवेश करने के लिए प्रति वाहन 110 रुपए चुकाने होंगे। इससे पूर्व दोपहर में 60 रुपये जबकि दोपहर बाद 110 रुपये टोल टैक्स के रूप में देने होते थे, लेकिन अब सभी वाहनों का टोल टैक्स 110 रुपये लगेगा। नैनीताल में खाना पीना भी आपके जेब को बहुत भारी पड़ने वाला है। नैनीताल के रेस्टोरेंट में खाना पीना भी महंगा हो गया है। महंगाई के चलते अधिकतर रेस्टोरेंट स्वामियों ने 10 से 15 फीसदी तक रेट बढ़ा दिए हैं। कुल मिलाकर महंगाई का असर नैनीताल के पर्यटन पर पड़ता हुआ साफ नजर आ रहा है।

गर्मियों में आंखों को देना चाहते हैं ठंडक, अपनाएं ये आसान उपाय

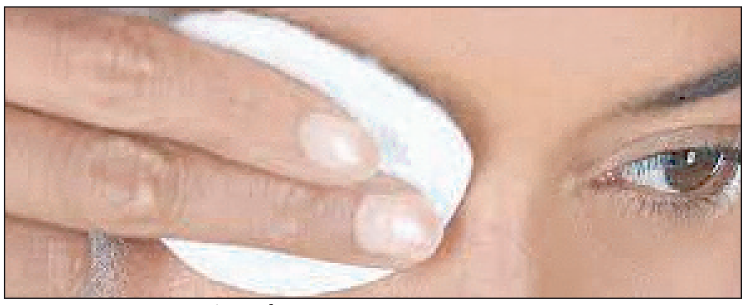

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 अप्रैल : गर्मी में तेज धूप के कारण आंखों की समस्या आम है। जिसमें जलन, खुजली और रेडनेस का सामना करना पड़ता है। हालांकि कई लोग आंखों की थकान को कम करने के लिए आई ड्रॉप का भी इस्तेमाल करते हैं। चाहें तो आप घरेलू उपाय भी अपना सकते हैं। गर्मी में आंखों की इन समस्याओं से राहत पाने के लिए आज आपको कुछ असरदार टिप्स बताएंगे। जिसकी मदद से आंखों की तकलीफ शांत हो सकती है।

गर्मियों में आंखों की जलन को शांत करने के लिए खीरा बेहद फायदेमंद है। इसके लिए खीरा के पतले-पतले स्लाइस काट लें, अब इसे आंखों पर कुछ देर के लिए रखें। करीब 15-20 मिनट बाद हटा लें। आंखों में जलन और खुजली शांत करने के लिए आइस क्यूब का इस्तेमाल करें। इसके लिए सबसे पहले आंखों को अच्छी तरह धो लें, अब साफ कॉटन के कपड़े में आइस क्यूब्स रखें। फिर इसे बंद आंखों पर कुछ देर के लिए रखें। इससे आपको राहत मिलेगा। आंखों की थकान को दूर करने के लिए गुलाब जल काफी कारगर माना जाता है। गुलाब जल में कॉटन डूबो लें, अब इसे आंखों के आस-पास लगाएं। चाहें तो एक या दो बूंद आंखों में भी डाल सकते हैं। इससे आंखों में होने वाली जलन और खुजली शांत हो सकती है।

आंखों की थकान दूर करने के लिए आलू का रस काफी मददगार होता है। इसके लिए आलू के पतले टुकड़े काट लें, अब इसे आंखों पर रखें। लगभग 20 मिनट बाद हटा लें।एलोवेरा आंखों की जलन और सूजन शांत करने में काफी सहायक है। इसके लिए एक कप ठंडे पानी में एलोवेरा जेल मिलाएं। अब इसमें कॉटन डुबो कर आंखों पर रखें। ऐसा करने से आपकी आंखों को ठंडक मिलेगी।

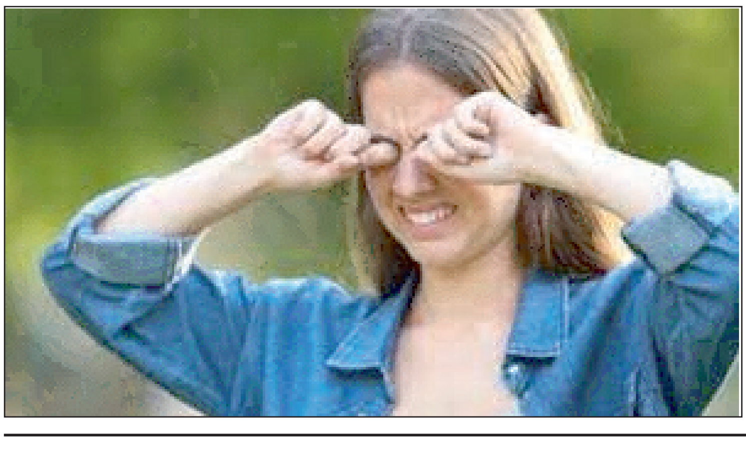

दुनिया के सबसे बड़े कब्रिस्तान में दफन हैं 50 लाख शव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 अप्रैल , दुनियाभर के हर धर्म में मुर्दों का अंतिम संस्कार अलग-अलग रीति-रिवाज से किया जाता है. जहां हिंदुओं में इंसानों के शवों को चिता की अग्नि में जलाया जाता हो वहीं मुस्लिम धर्म में उन्हें कब्र में दफनाने की परंपरा है. वहीं ईसाई धर्म के अनुयायी भी शवों को दफनाने की परंपरा निभाते हैं लेकिन वो शवों को ताबूत में रखकर दफनाते हैं. शवों को दफनाने की वजह से कब्रिस्तानों में जगह तक कम पड़ जाती है.

इसीलिए दुनिया के तमाम बड़े शहरों में कुछ सालों बाद एक कब्र के ऊपर ही दूसरे शव को दफना दिया जाता है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे कब्रिस्तान के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान माना जाता है. क्योंकि इस कब्रिस्तान 50 लाख से ज्यादा शवों को दफनाया जा चुका है. यह कब्रिस्तान काफी पुराना है. कहा जाता है कि यहां लोगों को दफनाने का काम पिछले 1400 वर्षों से किया जा रहा है.

दरअसल, ईराक के वादी अल सलाम नाम के कब्रिस्तान को दुनिया का सबसे बड़ा कब्रिस्तान माना जाता है. ये कब्रिस्तान अल नजफ नाम के शहर में स्थित है. जिसका क्षेत्रफल करीब 1500 एकड़ है. जो करीब 6 किलोमीटर लंबा है. इस कब्रिस्तान में प्रतिदिन तकरीबन 200 मुर्दों को दफन किया जाता है. इसके पीछे का कारण है यहां होने वाला आतंकी हमला. इस जगह पर इतने आतंकी हमले होते हैं कि काफी ज्यादा संख्या में रोज लोग मारे जाते हैं. ISIS के खौफ पहले इस जगह पर तकरीबन हर साल 100 से 120 मुर्दों को दफनाया जाता था. इस आंकड़े के मुकाबले हाल के दिनों में यहां कई ज्यादा गुना लोग दफनाए जा रहे हैं. इस कब्रिस्तान को लेकर कहावत है कि आईएसआईएस के खिलाफ लड़ने वाले लोग इस मकबरे में आकर मन्नत मांगते हैं. अगर उनकी लड़ाई के दौरान मौत हो जाए तो उन्हें इसी कब्रिस्तान में दफनाया जाए. अधिकत्तर मुसलमान खुद को दपनाने के लिए इसी कब्रिस्तान को पसंद करते हैं.

मुख्यमंत्री धामी के विधानसभा क्षेत्र में युवाओं को मिली बड़ी सौगात

जिला पुस्तकालय को मिल गई बुनियादी सुविधाएं और फंड्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चंपावत,20 अप्रैल। मुख्यमंत्री धामी की घोषणा संख्या 286/2022 के क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा जिला पुस्तकालय चम्पावत में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के पुस्तकालय में बैठक व्यवस्था, पुस्तकों, फर्नीचर, कम्प्यूटर एवं अन्य सुविधाओं हेतु रुपये 10 लाख की धनराशि प्रदान की गई है। वर्तमान में जिला पुस्तकालय चम्पावत में 123 युवाओं की बैठक व्यवस्था हेतु फर्नीचर उपलब्ध है एवं लगभग 800 से अधिक युवाओं द्वारा जिला पुस्तकालय चम्पावत में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु पंजीकरण करवाया गया है एवं पुस्तकालय में प्रतिदिन 200 युवा अध्ययन कर रहे हैं । प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं हेतु पुस्तकालय प्रतिदिन 24 घंटे संचालित होता है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को अध्ययन करने हेतु एक अच्छा वातावरण एवं पुस्तकालय का लाभ सुलभ हो रहा है।

शानदार टीम लीडर IPS श्वेता चौबे से मिला स्टार तो चमक उठे चेहरे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत हुए पुलिस कार्मिकों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्रीमती श्वेता चौबे ने स्टार धारण करा कर दी शुभकामनायें।

जनपद पौड़ी में नियुक्त अपर उपनिरीक्षक स0पु0 देवेन्द्र कठैत, मुख्य आरक्षी L.I.U कैलाश शाह एवं मुख्य आरक्षी L.I.U विपिन चन्द्र की उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी ने अपने कार्यालय कक्ष में तीनों कार्मिकों के कन्धे पर स्टार सजाकर बधाई देकर इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।साथ ही अवगत कराया गया कि अब आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गयी है, पूर्ण मनोयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु बताया गया।

बजट खर्च न करने वाले होंगे दंडित, महाराज की दो टूक हिदायत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , सभी जनपदों के पंचायत अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को हिदायत दी जाती है कि जो 15वें वित्त आयोग की धनराशि को खर्च नहीं करेगा उन्हें दंडित किया जाएगा और जो पैसा खर्च कर रहे हैं उन को पुरस्कृत किया जाएगा।उक्त बात प्रदेश के पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को सहस्त्रधारा रोड स्थित पंचायत निदेशालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में 15वें वित्त आयोग का पैसा खर्च ना होने पर चिंता व्यक्त करते हुए वर्चुअल जुड़े विकासखंड, जिला पंचायत और ग्राम पंचायत अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह जरूरी हो गया है कि हम आपको हिदायत दें कि जो अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बार-बार कहने के बाद भी पैसा खर्च नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाये। हम इसके लिए बाध्य हैं कि विकास कार्यों पर पैसा शत प्रतिशत खर्च हो ताकि केंद्र सरकार को यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट देकर प्रदेश के विकास के लिए और पैसा मिल सके।पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने 15वें वित्त आयोग द्वारा पंचायतों को स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचय एवं जल पुनर्चक्रण के तहत मूल अनुदान (Untied Fund) और आबद्ध अनुदान (Tied Fund) में मिली धनराशि के खर्च ना होने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए धनराशि को समय से खर्च करने की चेतावनी दी है। उन्होंने आबद्ध अनुदान (Tied Fund) की धनराशि खर्च न करने पर रेड जोन में आए जिला पंचायत नैनीताल, जिला पंचायत रुद्रप्रयाग और अल्मोड़ा, चमोली, नैनीताल, पौड़ी, रुद्रप्रयाग एवं टिहरी आदि जनपदों के ब्लॉक पंचायतों के साथ-साथ जनपद चंपावत स्थित ग्राम पंचायतों में पैसा खर्च ना होने पर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। इतना ही नहीं सतपाल महाराज ने मूल अनुदान (Untied Fund) के तहत जिला पंचायत हरिद्वार जिला पंचायत रुद्रप्रयाग के साथ-साथ जनपद नैनीताल और रुद्रप्रयाग के रेड जोन में आए ब्लॉक पंचायतों के अधिकारियों को भी पैसा खर्च ना होने पर जमकर लताड़ लगाई।पंचायत मंत्री महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी चाहते हैं कि पैसा पूरा खर्च होना चाहिए क्योंकि विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जिला पंचायत, विकासखंड, ग्राम पंचायत अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आबद्ध अनुदान (Tied Fund) की बकाया धनराशि 238 करोड़ और मूल अनुदान (Untied Fund) की बकाया राशि 129 करोड़ रुपये यदि समय से खर्च नहीं किए गए और कार्यों में गुणवत्ता न पाई गई तो इसके लिए अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जाएगी।बैठक में देहरादून जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, उत्तरकाशी जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजलवान, अल्मोड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष उमा सिंह, ब्लाक प्रमुख कालसी, पंचायतीराज निदेशक आनंद स्वरूप, अपर निदेशक मनोज कुमार तिवारी, संयुक्त निदेशक राजीव कुमार नाथ त्रिपाठी एवं हिमानी जोशी सहित जिला, विकासखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर के अनेक अधिकारियों ने वर्चुअल शामिल होकर प्रतिभाग किया।

सरकार जनता के लिए कार्य कर रही है : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जाखन में सीवर पंपिंग स्टेशन का किया भूमि पूजन

देहरादून 21 अप्रैल , कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून के जाखन में सीवर पंपिंग स्टेशन का भूमि पूजन किया। यह योजना जलनिगम द्वारा राज्य योजना के माध्यम से रूपये 295.56 लाख की लागत से निर्मित होगी। जाखन में एक सभा को सम्बोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आज से 20 वर्ष पूर्व यहाँ की स्थिति अत्यधिक दयनीय थी और जनता के आशीर्वाद से यह संभव हो सका। उन्होंने कहा कि बीजेपी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के कार्यों को लेकर लगातार जनता के बीच है। उन्होंने बताया कि ओवरहेड टैंक का लोकार्पण भी जल्द किया जायेगा। राज्य योजना में भी सड़को की स्वीकृति का कार्य प्रगति पर है। हर घर नल योजना के माध्यम से सभी घरों को पानी दिया जा रहा है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से देश में 12 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए गये हैं। इसी प्रकार मंत्री ने केंद्र की योजनाओं को अपने संबोधन में जनता के बीच रखा। मंत्री ने कहा कि सरकार जनता के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पुष्कर सिंह धामी सरकार जनता की सरकार-जनता के द्वार नारे के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियो को तय समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने ओर योजना को गुणवत्ता के साथ कार्य करने के भी निर्देश दिये। गौरतलब है कि उत्तराखंड में यह डी.आई. पी. टेक्नोलोजी पहली बार प्रयोग में लाई गई है। इसके लिए भूमि की न्यूनतम आवश्यकता पड़ती है। जहां पर जगह की कमी है, जहां पर जगह की कमी है वहां के लिए यह उपयुक्त है इस टेक्नोलोजी में स्टोरेज टैंक नही बनता है। इसमे आने वाला सीवर डीआई.पी. के माध्यम से सीधे स्टोर के लिए बिना पंप हो जाता है। यह वातावरण के अनुकूल है। इसमे प्रदूषण की संभावना भी नहीं रहती है। उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप यह पंप उपयुक्त सीवरेज पंप है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, पार्षद संजय नौटियाल, पूनम नौटियाल, सुरेंद्र राणा, निरंजन डोभाल, निशा शर्मा, मंजु शर्मा, पार्षद भूपेन्द्र कथैत, योगेश, चुन्नी लाल, कमल थापा, सिकंदर सिंह, आशीष थापा, अंकित जोशी, मोहन बहुगुणा, ओमप्रकाश बहुगुणा, नैन सिंह पवार, उत्तम रमोला, जलनिगम के ईई एचसी जोशी, जलसंस्थान के ईई संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

सरकार ने परखी टेबल टॉप एवं मॉक अभ्यास में चार धाम की तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में चारधाम यात्रा- 2023 के सफल संचालन हेतु राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा आयोजित टेबल टॉप एवं मॉक अभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा मार्गों पर आपदा प्रबंधन के लिए किये जा रहे मॉक अभ्यास का वर्चुअल अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी तैयारियां की गई हैं। चारधाम यात्रा मार्गों पर आपदा प्रबंधन की दृष्टि से यात्रा शुरू होने से पूर्व मॉक अभ्यास किया गया है। इससे आपदा प्रबंधन के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुगम और सुरक्षित चारधाम यात्रा की नियमित समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चमोली, रूद्रप्रयाग एवं उत्तरकाशी के जिलाधिकारियों से यात्रा के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी भी ली। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि यात्रा शुरू होने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी हो जाएं। इस अवसर पर अधिकारियों ने मॉक ड्रिल में आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन रणजीत सिन्हा, दिलीप जावलकर, डॉ. आर. राजेश कुमार, एसीईओ आपदा प्रबंधम सुश्री रिद्धिम अग्रवाल, एन.डी.एम.ए. के अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

हल्द्वानी पुलिस ने 20 पेटी शराब के साथ 02 को किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 21 अप्रैल : पंकज भट्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल महोदय द्वारा लक्ष्य नशा मुक्त नैनीताल बनाने हेतु अवैध नशे की तस्करी के विरुद्ध अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार चेकिंग अभियान चलाकर अवैध तस्करी करने वालों की धरपकड़ करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है ।हरबंस सिंह, एस0पी0 सिटी हल्द्वानी तथा भूपेन्द्र सिंह धोनी, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के निर्देशन में हरेन्द्र चौधरी, प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी, राजवीर नेगी प्रभारी एसओजी नैनीताल के नेतृत्व में थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम द्वारा दिनांक 20.04.2023 को हल्द्वानी थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था कानून व्यवस्था एवं अवैध नशे की तस्करी की रोकथाम करने हेतु चेकिंग के दौरान हीरानगर क्षेत्र से 02 शराब तस्करों को 20 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

एस0ओ0जी0 एवं हल्द्वानी कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मादक पदार्थों की बिक्री की रोकथाम व अवैध नशे के तस्करों की धरपकड़ अभियान के तहत प्राप्त को हीरानगर क्षेत्र में चेकिंग के दौरान 02 तस्करों को इनोवा कार में 20 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब की चोरी छिपे तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया। 03 ग्रे रंग और 01 काले रंग के बैग में (Johnnie Walker Red label 180, Absolut Vodka 36, Valentine Whisky 24 bottle) कुल 240 bottle अलग-अलग बांड की कुल 20 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई हैं। साथ में अवैध तस्करी में प्रयुक्त वाहन इनोवा कर संख्याः–HR79D 9952 को कब्जे पुलिस लिया गया।

एफआरआई परिसर में हुआ नेफेड बाजार रिटेल स्टोर का उद्घाटन

देहरादून। एफआरआई परिसर में गुरुवार को नए नेफेड बाजार रिटेल स्टोर का उद्घाटन किया गया। इसमें कम कीमतों पर प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध होंगे। भारतीय वानिकी परिषद अनुसंधान और शिक्षा (आईसीएफआरई) के महानिदेशक एएस रावत, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की निदेशक डॉ. रेणु सिंह, नेफेड के प्रबंध निदेशक राजबीर सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) के जनरल मैनेजर अमित गोयल ने बताया कि यहां दैनिक जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। नेफेड बाजार से होम डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है। नेफेड बाजार में वन डिसट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत भी उत्पाद रखे गए हैं। जैविक के अलावा मिलेट (मोटा अनाज) के उत्पाद उपलब्ध हैं। देशभर के विभिन्न मिलेट स्टार्टअप से इनकी खरीद की जाती है। नेफेड उत्तराखंड के शाखा प्रबंधक अमित शुक्ला ने बताया कि नेफेड की स्थापना किसानों को सीधा लाभ पहुंचाने और कृषि उपज के सहकारी विपणन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1958 मे हुई थी। वर्तमान में उत्तराखंड में दो प्रतिष्ठित संस्थानों में नेफेड बाजार हैं। इसमें एफआरआई देहरादून और एलबीएस एकेडमी मसूरी शामिल है।

उत्तराखंड : शराब के शौकीनों के लिए बुरी खबर, हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

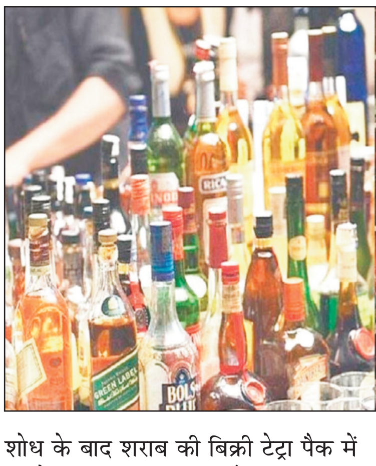

नैनीताल 21 अप्रैल : राज्य सरकार ने आबकारी नीति के तहत शराब की बिक्री टेट्रा पैक में करने की योजना बनाई थी। इसके तहत शराब की बिक्री 200 एमएल टेट्रा पैक में करने की बात कही गई थी, लेकिन फिलहाल ये योजना परवान चढ़ती नहीं दिख रही। वो इसलिए क्योंकि, नैनीताल हाई कोर्ट ने आबकारी नीति-2023 की धारा-5.5 के अंतर्गत 200 एमएल शराब की टेट्रा पैक में बिक्री पर फिलहाल रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। वहीं कोर्ट ने सरकार से जवाब भी मांगा है। कोर्ट का कहना है कि टेट्रा पैक में शराब की बिक्री से पर्यावरण को नुकसान होगा। कोर्ट ने सरकार ये भी पूछा है कि आखिर किस अध्ययन या शोध के बाद शराब की बिक्री टेट्रा पैक में करने का निर्णय लिया गया है।

नैनीताल हाईकोर्ट में चंपावत के नरेंद्र चंद्र द्वारा लगाई गई जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें कहा गया है कि आबकारी नीति की यह धारा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगी। एक ओर सरकार प्लास्टिक उन्मूलन कार्यक्रम चला रही है, वहीं दूसरी ओर टेट्रा पैक के जरिए उसे प्रमोट कर रही है। सरकार की ओर से सीएससी चंद्रशेखर रावत ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि दूध, छांछ सहित तमाम उत्पाद टेट्रा पैक में ही बेचे जा रहे हैं। सरकार द्वारा यह निर्णय सोच-समझकर लिया गया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हर माह एक करोड़ टेट्रा पैक बिकेंगे तो इससे गंदगी होगी और पर्यावरण को नुकसान होगा। इसलिए फिलहाल टेट्रा पैक में शराब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।

देहरादून : ब्याज के पैसे के लिए बुजुर्ग महिला की हत्या

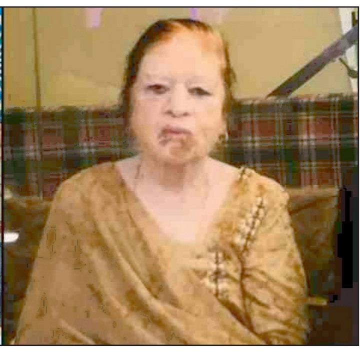

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 अप्रैल : देहरादून के प्रेमनगर में वृद्धा मंजीत कौर की हत्या पर से पर्दाफाश हो गया है। हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके पड़ोसी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया किया है। बता दें कि बेहद छोटी सी बात पर पड़ोसी ने वृद्धा को मौत के घाट उतार दिया। वह पड़ोसी महिला से ब्याज पर पैसे लेने गया था। पहले महिला ने हां की, लेकिन कुछ देर बाद मना कर दिया। इस पर वह गुस्सा हो गया और सब्जी काटने वाले चाकू से महिला का गला रेत दिया। आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दरअसल बीती 12 अप्रैल को प्रेमनगर निवासी 78 वर्षीय मंजीत कौर का शव उनके ड्राइंग रूम में मिला था। उनकी गला रेतकर हत्या की गई थी।

पुलिस ने आसपास के 350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक तो बीच पड़ोस में रहने वाले एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। जब पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने अपना गुनाह कबूल किया। आरोपी की पहचान पंकज शर्मा उर्फ बंटी के रूप में हुई है। बंटी ने एक महिला से कुछ पैसे उधार लिए थे। उस महिला को वृंदावन जाना था इसलिए वह पंकज पर पैसे वापस करने का दबाव बना रही थी। महिला के पैसे चुकाने के लिए वह 12 अप्रैल को सुबह साढ़े नौ बजे मंजीत कौर से पैसे ब्याज पर लेने गया था। पहले तो उन्होंने हामी भरी और कुछ देर बाद साफ मना कर दिया। इस पर वह गुस्सा हो गया। उसने किचन में पड़े चाकू से मंजीत कौर का गला रेत दिया। इसके बाद उसने वॉश बेसिन पर हाथ धोए और वहां से भाग गया। बता दें कि आरोपी ने कई लोगों से उधार लिया हुआ था। पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

बिजली के बढ़े दाम और कटौती पर बिफरे नेता विपक्ष यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , उत्तराखंड कांग्रेस के सीनियर लीडर और सदन में नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने एक बार फिर धामी सरकार पर ज़ोरदार निशाना साधते हुए बिजली को मुद्दा बनाया है। उन्होंने खा है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लोगों को 24 घंटे बिजली और पानी देने का वायदा किया था। लेकिन आज ज़मीन पर सारे वादे हवा हवाई हो गए हैं।अघोषित बिजली कटौती का असर राज्य में उद्योग, ग्रामीण क्षेत्रों समेत छोटे शहरों पर पड़ रहा है। प्रतिदिन सात से आठ घंटे तक बिजली कटौती हो रही है।एक तो लोगों को बिजली नहीं मिल रही, वहीं हर माह बढ़े-चढ़े बिल जरूर थमा दिए जाते हैं।विदित है सरकार ने बिजली के दामों में भारी बढ़ोतरी की है. BPL श्रेणी के उपभोक्ताओं से लेकर डोमेस्टिक श्रेणी ,कमर्शियल श्रेणी ,इंडस्ट्रीज श्रेणी में प्रति यूनिट बढ़ोतरी की गई है.

आर्य कहते हैं कि इस सब के बावजूद राज्य भर में शहरों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक हो रही अघोषित बिजली कटौती से आम उपभोक्ता परेशान हैं।दिन में लाइट की कटौती से जहां व्यापारी और नागरिक परेशान हैं वहीं शाम होते ही गांव- नगर में ऐसा अंधेरा छा जाता है जैसे कि युद्ध के समय का ब्लैक आउट हो । बिजली कटौती के चलते घरों और दुकानों के कूलर, पंखे, फ्रिज, एसी महज शो पीस बने हुए हैं। बिजली अगर आती भी है तो लो वोल्टेज या एक फेस बंद होने के कारण उसे न आया ही समझना चाहिए। ऐसे में सुबह से बिजली गुल होने के कारण आम जन को पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बिजली न रहने से वेल्डिग, आरा मशीन, फर्नीचर आदि के व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। हर दिन हजारों रुपये का डीजल खर्चकर दुकानदार अपने व्यवसाय को जिंदा रख रहे हैं।लोग दिन में तो किसी तरह काम निपटा ले रहे हैं, लेकिन रात को लाइट न होने के चलते पंखे नहीं चल रहे हैं और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जा रहा है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य की माने तो आज तमाम शिकायतें मिल रही हैं कि राज्य के बिजली बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी जनप्रतिनिधियों की बिजली की कमी से संबंधित शिकायतों को सुनने के लिए फोन तक नही उठाते हैं इससे सिद्ध होता है कि , उत्तराखण्ड में इस समय कल्याणकारी राज के बजाय शोषक राज चल रहा है जिसमें व्यवस्था और अधिकारियों पर सरकार का कोई अंकुश नहीं है। उन्होंने कहा है कि राज्य को सामान्य दिनों में लगभग 55 मिलियन यूनिट विद्युत की जरुरत होती है। वर्तमान में कुल जरुरतों की 65 प्रतिशत बिजली ही उत्तराखंड स्वयं के उत्पादन से और केन्दीय कोटा से सुनिश्चितत करता है लेकिन जरूरत के 35 प्रतिशत याने लगभग 10 मिलियन यूनिट विद्युत की हमेशा कमी रहती है। सरकार पिछले कुछ सालों में समय पर 99 मेगावाट की सिंगोली - भटवाड़ी परियोजना का पी0पी0ए0 और उधमसिंह नगर के 450 मेगावाट और 250 मेगावाट के दो गैस आधारित संयंत्रों से उचित बिजली खरीद समझौते नही किये वरना आज राज्य को न तो बिजली की कटौती का सामना करना पड़ता और न ही महंगी बिजली खरीदनी पड़ती। बाजपुर से विधायक और कभी धामी सरकार में कद्दावर मंत्री रहे मौजूदा नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि इस अघोषित बिजली की कटौती से राज्य की जनता को उबारने हेतु कांग्रेस माँग करती है कि उत्तराखंड को केंद्र सरकार सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध कराये और सेंटर पूल से मिलने वाले बिजली कोटे में बढ़ोंतरी करे और जल्द अघोषित बिजली कटौती से ,24 घण्टे लो वोल्टिज और बार बार ट्रिपिंग की समस्या से जनता को राहत प्रदान करे ।

आप ने विजिलेंस से की मेयर सुनील उनियाल गामा के भ्रष्टाचार की मांग

एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंजियाल ने निष्पक्ष जांच का दिलाया भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सतर्कता कार्यालय (विजिलेंस) पहुंचकर आय से अधिक संपत्ति एवं भ्रष्टाचार के मामले में देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा के विरुद्ध जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा । इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आर पी रतूड़ी ने राज्य सरकार को जीरो टोलरेंस के मामले घेरते हुए कहा जिनका मेयर ही भ्रष्टाचारी हो वे क्या जीरो टॉलरेंस की बात करेंगे इस मौके पर गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र आनंद ने मेयर गामा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गामा ने जो तर्क पैसे कमाने का बताया है वह गले नहीं उतरता क्योंकि कोई भी व्यक्ति चाउमीन बेचकर करोड़ों रुपए नहीं कमा सकता हां

यदि उस चाउमीन को बेचने में उनकी मदद तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने की है तो निश्चित तौर पर उत्तराखंड की जनता को करोड़ों रुपए का चूना लगाकर मेयर साहब ने इतनी संपत्ति इकट्ठा की होगी । इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने भी गामा पर तीखा हमला बोलते हुए जल्द से जल्द जांच की मांग की ।इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना और कमलेश रमन ने भी राज्य सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा । इस पर एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंज्याल ने इस मामले की जांच कर कारवाई होने को आश्वस्त किया ।इस मौके पर रिहाना परवीन ,अशोक सेमवाल ,सुशील सैनी, दीपक नीमरिनाया, विपिन नेगी, सुधा पटवाल आदि मौजूद रहे ।

यातायात नियमों का कठोरता से पालन कराने पर मुख्य सचिव के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 अप्रैल, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में एकीकृत महानगर यातायात प्राधिकरण की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने पुलिस और परिवहन विभाग से यातायात नियमों का कठोरता से पालन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने कहा कि सड़क पर चलने वाला प्रत्येक व्यक्ति जब यातायात नियमों का पालन करने लगेगा, ट्रैफिक जाम से निजात मिलने लगेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए आमजन को यातायात नियमों के पालन करने हेतु जागरूक किया जाए।

छोटी छोटी वीडियो क्लिप्स के माध्यम से सोशल मीडिया और सड़कों के किनारे और ट्रैफिक सिग्नल के आसपास स्क्रीन पर जागरूकता वीडियो चलाए जाएं। मुख्य सचिव ने महानिदेशक सूचना को इस सम्बन्ध में वीडियो बनाए जाने के निर्देश दिए। इसके बावजूद नियम तोड़ने वालों के चालान किए जाएं। मुख्य सचिव ने सभी सम्बन्धित विभागों को अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक उपायों पर कार्य किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि यातायात पुलिस और परिवहन विभाग को मिलजुलकर ऑटो, ई रिक्शा आदि के लिए पार्किंग के साथ ही, ई-रिक्शा और ऑटो स्टॉप आदि निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए। फुटपाथ एवं सड़कों से अतिक्रमण शीघ्र हटाया जाए। यातायात नियम तोड़ने और नो पार्किंग में गाड़ी लगाने वालों पर लगातार चालान किए जाएं। मुख्य सचिव ने उपाध्यक्ष एमडीडीए को शहर में साइनेज आदि लगाकर यातायात नियमों की जानकारी उपलब्ध कराए जाने की बात भी कही। उन्होंने शहरों में फुटपाथों की मरम्मत के लिए अलग से बजट हेड बनाए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक के दौरान एसएसपी देहरादून दिलीप सिंह कुंवर ने बताया कि नियमों के पालन न करने पर वाहन चालकों पर सीसीटीवी के साथ ही ड्रोन के माध्यम से भी चालान किए जा रहे हैं। उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी द्वारा बताया गया कि स्कूल बसों की पार्किंग स्कूल परिसर में ही करने और स्कूल की छुट्टी के बाद खेल के मैदानों को पार्किंग के रूप में प्रयोग करने हेतु विभिन्न स्कूलों से लगातार बातचीत चल रही है। इसमें विभिन्न स्कूलों ने सकारात्मक रूख अपनाया है, और हर सम्भव सहयोग के लिए तैयार हैं। मॉल्स आदि को अपनी खुद की पार्किंग का पूर्णतः प्रयोग किए जाने हेतु कहा गया है, साथ ही पार्किंग फुल है अथवा पार्किंग कितनी भरी है इसकी जानकारी देने हेतु मॉल के बाहर सड़क पर डिस्प्ले के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराए जाने के लिए भी कहा गया है। बैठक में बताया गया कि नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकि एवं एस.एन. पाण्डेय, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड मेट्रो रेल कार्पोरेशन जितेन्द्र त्यागी, मुख्य नगर आयुक्त मनुज गोयल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बिजली बिल को हिन्दी में भेजने की तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 अप्रैल , बिजली का बिल हर व्यक्ति के घर में आता है. शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण, बिजली बिल सबके घर आता है. लेकिन, कई लोग ऐसे भी हैं जो बिजली के बिल पर लिखे विवरण समझ नहीं पाते हैं. इसका कारण है बिजली के बिल पर अंग्रेजी भाषा में लिखा विवरण. अभी तक जो भी बिल आता है उस पर लिखा सभी विवरण अंग्रेजी भाषा में होता है. इस वजह से कई लोग उसे पढ़ नहीं पाते हैं. लेकिन, बिजली विभाग ने अब इसका समाधान निकाला है.

बिजली बिल को हिन्दी में भेजने की तैयारी

उत्तर प्रदेश बिजली विभाग जल्द ही बिजली के बिल हिंदी भाषा में लाने की तैयारी कर रहा है. इससे उपभोक्ताओं को बिजली के बिल पढ़ने और समझने में झंझट नहीं होगी. इस बदलाव के बाद आम आदमी आसानी से बिजली बिल से जुड़े सभी विवरण पढ़ पाएगा. विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बिजली बिल एक तरफ हिंदी में, और दूसरी तरफ अंग्रेजी में छपा हुआ आएगा. अधिशासी अभियंता शैलेंद्र के अनुसार उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यह काम शुरू किया जा रहा है. इससे लाखों उपभोक्ताओं को बिल समझने में आसानी होगी.

बार-बार नहीं आना होगा बिजली विभाग

झांसी में 81,000 से अधिक बिजली उपभोक्ता ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं. इनमें से बहुतायत अंग्रेजी भाषा नहीं समझ पाते हैं. कई बार ऐसी शिकायतें आती हैं जिसमें उपभोक्ता बिल में लिखे विवरण समझ नहीं पाते हैं और बिल भरने में देरी होती है. वो बार-बार बिजली विभाग के दफ्तर आते हैं. ऐसे में उपभोक्ताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए बिजली विभाग ने यह फैसला लिया है कि अब बिल हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा मे छपेंगे.

सावधान ! रात में सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग की लत है खतरनाक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 अप्रैल , न्यूज़ वायरस के पाठकों के लिए आज टेक ज्ञान में आपके सेहत से जुडी काम की खबर बता रहे हैं क्योंकि आज सोशल मीडिया की लत एक बिमारी बनती जा रही है। दिन ही नहीं लोग देर रात तक मोबाइल पर स्क्रॉलिंग करते रहते हैं। जानकार कहते हैं कि लोगों को मोबाइल और इंटरनेट की बहुत ज्यादा लत लग गई है। युवा वर्ग तो हर वक्त मोबाइल पर बिजी रहते हैं। मोबाइल में बहुत सारे ऐप्स होते हैं। इनमें कुछ सोशल मीडिया ऐप्स भी होती हैं। आजकल हर वर्ग के लोग सोशल मीडिया ऐप्स पर एक्टिव रहते हैं। आजकल सोशल मीडिया ऐप्स का इस्तेमाल इतना बढ़ गया है कि लोग कई घंटों तक इन ऐप्स पर स्क्रॉलिंग करते रहते हैं। यहां तक की रात को भी यूजर्स अपने मोबाइल से चिपके रहते हैं। हालांकि रात में सोशल मीडिया चलाने की लत बहुत खतरनाक है। इससे आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

बिगड़ रही सेहत

रात में मोबाइल पर लगातार स्क्रॉलिंग की लत युवाओं की सेहत बिगाड़ रही है। सोशल मीडिया पर गतिविधियों से अपडेट रहने के लिए युवा दिनभर के काम निपटाने के बाद रात में सोने से पहले ऑनलाइन स्क्रॉलिंग करते हैं, लेकिन यह स्क्रॉलिंग कुछ मिनटों के बजाय कई घंटों तक चलने लगती है। इससे नींद प्रभावित होती है और वे दूसरी बीमारियों का शिकार बन जाते हैं।

आ सकते हैं इन बीमारियों की चपेट में

रात में सोशल मीडिया पर ऑनलाइन रहने का यह जुनून रिवेंज बेड टाइम प्रोक्रास्टिनेशन कहलाता है। दरअसल, कुछ स्टडीज में पाया गया है कि रात में स्क्रॉलिंग करने और देरी से सोने की वजह से हाई ब्लड प्रेशर, डायबटीज, हृदय संबंधी समस्याएं तो होती ही हैं। साथ ही वजन बढ़ना और अवसाद (डिप्रेशन) की समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं। एक शोध में शामिल वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति इसलिए परेशान कर देने वाली है, क्योंकि युवा सबकुछ जानने के बावजूद पर्याप्त नींद लेने की बजाय स्क्रॉलिंग कर रहे हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए आपको अपना स्क्रीन टाइम घटाना बेहद जरूरी है।

क्या करें स्क्रीन की लत से दूर रहने के लिए

वैज्ञानिकों ने सुझाव देते हुए कहा कि रात में स्क्रीन की लत से दूर रहने के लिए फोन में टाइमर लगाएं। ऐप के नोटिफिकेशन को कुछ घंटों के लिए ब्लॉक कर सकते हैं। सोने से पहले रीडिंग, स्केचिंग, पेंटिंग, ध्यान करना या जानकारी बढ़ाने वाली चीजें खोजें। इससे स्क्रीन टाइम कम होगा। आपको नींद अच्छी आएगी।जो लोग अपने कमरे में मोबाइल रखकर सोते हैं, उनकी नींद कम गहरी होती है। यहां तक कि जो लोग सोने से पहले मोबाइल या अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल नहीं करते, वे उन लोगों के मुकाबले कम गहरी नींद सोते हैं, जिनके गैजेट्स दूसरे कमरे में रहते हैं।

मटके का पानी देता है ज़बरदस्त फायदे, आज ही शुरू कीजिये पीना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , अगर आप मटका को गुज़रे ज़माने की वस्तु समझते हैं तो ठहरिये जनाब , ये आपके सोच की बात है क्योंकि जो बेहतरीन उपयोगिता पहले थी वही अहमियत आज भी प्रभावी है। भले ही घर में आप फ्रिज इस्तेमाल करते हैं लेकिन मटके के पानी का फायदा पढ़ते ही आप मटका खरीदने निकल पड़ेंगे। आजकल यूँ भी गर्मी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। ऐसे में खुद को ठंडा रखने के लिए लोग ठंडी चीजों का सेवन करते हैं। ऐसी चुभती जलती गर्मी में यदि ठंडा-ठंडा पानी मिल जाए तो पूरे तन बदन को मजा आ जाता है। अधिकतर लोग फ्रिज का ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं। लेकिन ये पानी आपको नुकसान पहुंचाता है। इसकी बजाय आपको मिट्टी से बने मटके का पानी पीना चाहिए। यह पानी न सिर्फ सेफ होता है बल्कि इसे पीने से कई बीमारियां भी कोसों दूर रहती है।

1. गर्मी के दिनों में लू लगने का खतरा सबसे अधिक होता है। ऐसे में मिट्टी के मटके से पानी पीकर आप इस बीमारी को खुद से दूर रख सकते हैं। इस पानी में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके शरीर में जरूरी चीजों का बैलेंस बनाए रखते हैं। इससे आप लू के शिकार नहीं होते हैं।

2. मिट्टी के मटके में पानी को 5 डिग्री तक ठंडा करने की शक्ति होती है। ऐसे में यह पानी आपके नाजुक और कोमल गले को खराब होने से बचाता है। साथ ही इससे फ्रिज में लगने वाली बिजली की बचत भी होती है। ये पर्यावरण के लिहाज से भी सेफ होता है।

3. मिट्टी के मटके के पानी में कई ऐसे जरूरी मिनरल्स और पौषक तत्व होते हैं जो आपके शरीर के लिए जरूरी होते हैं। यह अच्छे तत्व आपको फ्रिज का ठंडा पानी पीने से नहीं मिलते हैं। उल्टा इससे आपके शरीर में इनकी कमी होने लगती है। इसका नेगेटिव असर फिर आपकी हेल्थ पर दिखता है।

4. मटके का पानी आपके पाचन तंत्र के लिए अच्छा होता है। इसमें कोई केमिकल भी नहीं होते हैं। वहीं फ्रिज के पानी से गैस की समस्या होती है। ऊपर से हम प्लास्टिक की बोतल में पानी रखते हैं जिससे उसकी गुणवत्ता खत्म हो जाती है। इससे हमे फिर कई तरह की बीमारी होती है।

5. यदि आपको एसिडिटी की समस्या रहती है तो आज से ही फ्रिज का पानी छोड़ दे। बल्कि मटके का पानी पिएं। इससे आपकी एसिडिटी की समस्या हमेशा के लिए चली जाएगी। इतना ही नहीं आपको इस पानी से कभी बलोटींग की प्रॉब्लम भी नहीं होगी।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने की राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क से जुड़े प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं प्रेषित

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क से जुड़े प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

21 अप्रैल को मनाये जाने वाले राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस की पूर्व संध्या पर राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि 'भारत के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में आज जनसंपर्क एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि जनसंपर्क एक बहुत ही रचनात्मक विधा भी है जिसके जरिये किसी भी सरकारी-गैर सरकारी संस्थान, संगठन के कार्यों को जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है।'

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में जनसंपर्क हर क्षेत्र से जुड़े संस्थान के लिए बेहद जरूरी है, उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के जरिए जहां एक ओर जन जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। वहीं दूसरी ओर जनहित में किए जा रहे कार्यों को भी जनसंपर्क के माध्यम से जनता के बीच रखा जा सकता है। सोशल मीडिया के दौर में जनसंपर्क सही सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु और अधिक आवश्यक हो गया है।

हक़ की बात : लोन रिकवरी एजेंट से परेशान हैं तो तुरंत पढ़े ये खबर

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 अप्रैल , अगर आपने किसी भी तरह का लोन लिया है. साथ ही उसे चुका पाने में मुश्किल हो रही है. रिकवरी एजेंट रोज-रोज फोन करके आपको मानसिक तनाव दे रहें हो तो ये खबर आपके बहुत काम की है. क्योंकि आरबीआई की गाइडलाइन के मुताबिक रिकवरी एजेंटों को लेकर कई नियम बनाए गए हैं. यदि रिकवरी एजेंट नियम फॉलो नहीं करते हैं तो ग्राहक उचित जगह संबंधित एजेंट के खिलाफ शिकायत कर सकते हैं. यही नहीं आप थाने में संबंधित के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज करा सकते हैं. आइये जानते हैं क्या हैं ग्राहक के अधिकार?

दरअसल, आजकल बैंकों से विभिन्न प्रकार के लोन या क्रेडिट कार्ड लेने का चलन बढ़ गया है. लेकिन कई बार ग्राहक लोन तो ले लेता है. लेकिन उसके बाद उसकी ईएमआई नहीं चुका पाता. ऐसे में थर्ड पार्टी रिकवरी एजेंट संबंधित ग्राहक को फोन व मैसेज कर मानसिक रूप से क्षति पहुंचाते हैं. कई लोग ऐसे में आत्महत्या तक कर लेते हैं. मामले को गंभीरता से लेते हुए आरबीआई ने लोन एजेंटों को लेकर गाइडलाइन जारी की है. जिसे फॉलो न करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की है.

हैरेसमेंट के मामले बढ़े

जानकारी के मुताबिक, कोरोनाकाल के टाइम में रिकवरी एजेंट्स की ओर से हैरेसमेंट के मामले बढ़े हैं. क्योंकि कोविड की वजह से बहुत से लोन लेने वाले लोगों के कारोबार बंद होने की वजह ईएमआई चुकाना तक मुश्किल हो गया. बैंकों के ऊपर लोन रिकवर करने का दबाव बढ़ा और यह दबाव फिर रिकवरी एजेंट्स पर शिफ्ट हुआ. जब आत्महत्या तक की शिकायतें आने लगी तो आरबीआई ने गाइडलाइन जारी करते हुए लोन रिकवरी के नए नियम बनाए. साथ ही नियम फॉलो न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश जारी किये.

ये है शिकायत का तरीका

यदि कोई रिकवरी एजेंट आपको फोन कर धमकाता है तो तुरंत अपने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराएं. अगर पुलिस शिकायत लिखने से इनकार करती है तो कोर्ट में उस बैंक के खिलाफ सिविल इंजक्शन फाइल करें. अदालत में मानहानी के तहत संबंधित बैंक व रिकवरी एजेंट पर कार्रवाई की जाएगी. साथ ही कोई रिकवरी एजेंट यदि आपको सुबह 9 बजे से पहले या शाम को 7 बजे के बाद कॉल करता है तो उसकी शिकायत रिजर्व बैंक इंडिया को भी मेल के माध्यम से कर सकते हैं. आपकी शिकायत का तत्काल निवारण किया जाएगा.

PAYTM ठगों का किया देहरादून पुलिस ने पर्दाफाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 अप्रैल : रायपुर पुलिस ने PAYTM (पेटीएम) के माध्यम से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश, गिरोह के सदस्यों ने विगत एक माह में विभिन्न राज्यों में 08 घटनाओं को अंजाम देते हुए की गयी थी छह लाख पचास हजार (6,50,000/- रुपये) रुपये की ठगी। पुनः घटना को अंजाम देने पहुंचे थे देहरादून, अभियुक्तों के कब्जे से 09 मोबाईल फोन, 03 सिम कार्ड, 27 PAYTM कार्ड, 60 PAYTM स्कैनर पेज, 81 नेशन एक्सप्रेस कम्पनी के कार्ड, घटना में प्रयुक्त स्कूटी की बरामद, तीन बैंक खाते किये गये सीज।

घटना का विवरणः- दिनांक 12.04.23 को वादी देव पाल सजवान पुत्र कृपाल सिंह निवासी नियर प्राथमिक विद्यालय सुंदरवाला रायपुर देहरादून के द्वारा एक प्रार्थना पत्र स्वयं के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पेटीएम स्कैनर ठीक करने के नाम पर वादी के मोबाइल का पेटीएम ऐप हैक कर वादी के खाते से 01 लाख 40 हजार रुपये विभिन्न खातों में भेजकर ठगी किये जाने के संबंध में थाना रायपुर पर दिया गया, जिस पर तत्काल मु0अ0सं0 154/23 धारा 419/420 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह नेगी के सुपुर्द की गयी। उक्त घटना की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा उक्त घटना का शीघ्र अनावरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध, पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी रायपुर देहरादून के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रायपुर के नेतृत्व में घटना के अनावरण हेतु 03 अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गयी।

उपनिरीक्षक रविन्द्र नेगी के नेतृत्व में गठित प्रथम पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास घटना से पूर्व व घटना के पश्चात कुल 195 सीसीटीवी कैमरे को चैक किया गया, जिसमें घटना की तिथि को वादी की दुकान के आस पास दो संदिग्ध व्यक्ति घूमते हुये दिखाई दिये, जिनसे कुछ दूरी पर पेट्रोल पम्प के निकट एक संदिग्ध स्कूटी के साथ एक अन्य व्यक्ति खडा दिखाई दिया। घटना के पश्चात उक्त दोनो व्यक्ति वादी की दुकान की तरफ से पेट्रोल पम्प की ओर आते दिखाई दिये, जो स्कूटी के साथ पूर्व से मौजूद व्यक्ति के साथ आईएसबीटी देहरादून पहुँचे, जहाँ एक व्यक्ति का आईएसबीटी देहरादून से बस में जाना तथा शेष दो व्यक्तियों का स्कूटी से सहारनपुर की ओर जाना प्रकाश में आया। जिस पर सहारनपुर रोड़ पर देवबंद टोल टैक्स के कैमरो को चैक किया गया तो वहाँ उक्त व्यक्तियों की स्कूटी का नम्बर ट्रेस हो गया, जो दिल्ली का होना पाया गया, जिसकी तस्दीक हेतु व0उ0नि0 नवीन जोशी के नेतृत्व में गठित द्वितीय पुलिस टीम को दिल्ली रवाना किया गया। जिनके द्वारा उक्त स्कूटी के पते को तस्दीक किया गया तो उक्त स्कूटी अभियुक्त गौरव निवासी मंडोली दिल्ली के नाम पर पंजीकृत होना पाया गया तथा रजिस्ट्रेशन की डिटेल निकालने पर एक मो0नं0 प्रकाश में आया। उक्त पते पर पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गयी तो को उक्त पते पर कोई नहीं मिला। प्रकाश में आये मोबाइल नम्बर की जानकारी करने पर उक्त मोबाइल नम्बर का घटना के दिन घटनास्थल के आसपास होना पाया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा सूचना तंत्र को सक्रिय करते हुए अभियुक्तों के सम्बन्ध में गोपनीय रूप से जानकारी एकत्रित की गयी, इसी बीच पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई कि घटना में सलिप्त अभियुक्त पुनः किसी घटना को अंजाम देने वापस देहरादून आने वाले हैं।

जिस पर पूर्व में गठित तीनो पुलिस टीमो द्वारा दिल्ली तथा हरिद्वार से देहरादून आने वाले अलग-अलग रास्तों पर अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी हेतु सघन चैकिंग की गयी तथा दिनाँक 19.04.23 को घटना में सम्मिलित तीनो अभियुक्तों गौरव, सुशील एंव हिमांशु को स्टेडियम तिराहा, थानो रोड़ से समय 19.30 बजे 09 मोबाईल फोन, 03 सिम कार्ड, 27 PAYTM कार्ड, 60 PAYTM स्कैनर पेज, 81 नेशन एक्सप्रेस कम्पनी के कार्ड, घटना में प्रयुक्त स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया।

खाराखेत जाकर आजादी के सेनारियों को किया याद

देहरादून। शहीद मेजर दुर्गामल्ल मेमोरियल ट्रस्ट ने दून से करीब 18 किलोमीटर दूर खाराखेत जाकर नमक कानून तोडने वाले आजादी के सेनानियों को याद किया। विधायक सहदेव पुंडीर स्मारक के जीर्णोद्धार के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। महात्मा गांधी नमक सत्याग्रह आंदोलन स्मारक स्थल खाराखेत झाझरा रेंज में ट्रस्ट की ओर से एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर, विशिष्ट अतिथि झाझारा रेंज के रेंजर जितेंद्र सिंह गुसाईं, गोर्खाली सुधार सभा अध?यक्ष पदम सिंह थापा, ट्रस्ट की अध?यक्षा कमला थापा ने स्मारक स्थल में महात्मा गांधी, खाराखेत नमक सत्याग्रही खडक़ बहादुर सिंह बिष्ट एवं उनके साथियों के स्मारक पर पुष्प माला चढ़ाते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कमला थापा ने सभी अतिथियों को खादी पहनाकर स्वागत किया।

गोर्खाली सुधार सभा की मीडिया प्रभारी प्रभा शाह ने खाराखेत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दून से 18 किलोमीटर दूर खाराखेत गांव में भी 1930 नमक कानून के विरोध में खडक़ बहादुर सिंह बिष्ट व उनके साथियों ने नून नदी में नमक बनाकर ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती दी थी। खाराखेत भले ही सरकारी उपेक्षा झेल रहा हो पर ये जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत स्मारक है। सेनानियों ने 07 मई 1930 को दुबारा नून नदी में नमक बनाया और दून के टाउन हॉल में नमक बेचते हुए अपनी गिरफ्तारी दी। इस अवसर पर संस्था के कलाकारों ने देशभक्ति गीतों व मीनू आले ग्रुप के बाल कलाकारो ने नृत्य प्रस्तुति दी। संचालन देविन शाही ने किया।

संपादकीय

गर्मी की गंभीर चुनौती

इस साल गर्मी के मौसम में बहुत अधिक तापमान होने की भारतीय मौसम विभाग की चेतावनी सही साबित होती दिख रही है. उत्तर भारत और पूर्वोत्तर के साथ-साथ पश्चिम भारत में भी पारा तेजी से चढ़ने लगा है. बीते कई वर्षों से मौसम के मिजाज में बदलाव दिख रहा है और विशेषज्ञों का कहना है कि 2050 तक अत्यधिक गर्म दिन और रात की संख्या में दो से चार गुना बढ़ोतरी हो सकती है. लू को लेकर भी इसी तरह की आशंकाएं जतायी जा रही हैं. उल्लेखनीय है कि पिछले और इस साल जनवरी से मार्च के महीनों में सामान्य से अधिक तापमान रहा, जिसका नकारात्मक असर पैदावार की मात्रा और पानी की उपलब्धता पर पड़ा है. जलवायु परिवर्तन के कारण 1901 और 2018 के बीच हमारे देश में औसत तापमान में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है. बढ़ती गर्मी से जहां खेती प्रभावित हो रही है और जल स्रोतों पर दबाव बढ़ता जा रहा है, वहीं इससे लोगों की मौत भी हो रही है. अध्ययन बताते हैं कि 2000-2004 और 2017-2021 के बीच बहुत अधिक गर्मी से होने वाली मौतों की तादाद में 55 प्रतिशत की चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है. हमारे देश में अधिकतर कामगार ऐसी स्थितियों में काम करते हैं, जहां गर्मी से बचाव के उपाय कम होते हैं. इससे काम करने की क्षमता भी प्रभावित होती है. स्वाभाविक रूप से इससे अर्थव्यवस्था को भारी क्षति होती है. जानकारों की मानें, तो 2021 में गर्मी के कहर से 167.2 अरब कार्य घंटों का नुकसान हुआ था, जिससे सकल घरेलू उत्पाद को 5.4 प्रतिशत का झटका लगा था. इस हिसाब में जलवायु परिवर्तन से जुड़े मसलों, जैसे- स्वच्छ पेयजल का अभाव, विभिन्न प्रकार के प्रदूषण आदि, के असर को जोड़ दें, तो आर्थिक क्षति बहुत अधिक हो जाती है. विकास आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अर्थव्यवस्था की गति को तेज बनाये रखना जरूरी है. इसलिए अत्यधिक गर्मी और लू के प्रभाव को कैसे कम किया जाए, यह हमारी चिंता का एक प्रमुख विषय होना चाहिए. गर्मी बढ़ने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन का एक अन्य खतरनाक नतीजा प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते जाने का भी है. अनेक अध्ययनों में रेखांकित किया जा चुका है कि जिन क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप सर्वाधिक होगा, उनमें भारत भी एक है. एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि भारत के 14 राज्यों- बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, केरल, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश- में 2050 तक प्राकृतिक आपदाओं का संकट बहुत अधिक बढ़ जायेगा. हमें युद्ध स्तर पर तैयारी करने की आवश्यकता है.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मो.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मो.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002 RNI No. : UT-THIN/2012/44094 Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मैं-मेरा के बजाय हम-हमारा कहने से रिश्ते मजबूत होते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 अप्रैल : किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिश्तेदार सबसे ज्यादा करीब होते हैं। रिश्ता चाहे जो भी हो, उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। खासकर पति और पत्नी के बीच के रिश्ते में।हाल ही में पर्सनल टॉक पर हुए एक मनोवैज्ञानिक शोध में सामने आया कि मैं और मेरा जैसे एकवचन शब्दों का उपयोग करने की बजाए हम, हमारे और अपने जैसे बहुवचन शब्दों का उपयोग करने से जीवन में संतुष्टि प्राप्त होती है। रिश्ते मजबूत होते हैं। शोधकर्ताओं ने इसे वी-टॉक का नाम दिया है।

शोधकर्ता लंबे समय से जीवन के अनुभवों के बारे में बात करने के लिए बहुवचन शब्दों के प्रयोग करने वाले और एकवचन का उपयोग करने वाले पति-पत्नी के बीच अंतर में शोध कर रहे थे।शोध में सामने आया कि हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं। कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं। लिहाजा, वी-टॉक करने से हमारे ब्रेन में यह मैसेज चला जाता है कि पति और पत्नी दो अलग यूनिट नहीं बल्कि एक ही हैं।नतीजा यह होता है कि लंबे समय तक रिश्ते बने रहते हैं और कई बार दोनों की भावनाएं भी मेल करने लगती है। जैसे एक को दर्द होता है तो दूसरा बिना कहे ही इसे पहचान लेता है। इस तरह वी-टॉक के परिणाम सामने आए हैं। बच्चों के पालन-पोषण में भी वी-टॉक से प्रभाव पड़ता है। इससे बच्चों में शालीन भाषा का विकास होता है। वी-टॉक में एक कंप्यूटर प्रोग्राम द्वारा विश्लेषण किया कि छह से बारह महीने में रिश्तों में सुधार दिखाई देने लगता है। वहीं बच्चे भी बेहतर बनते हैं।

केदारनाथ यात्रा मार्ग में स्वच्छता को लेकर निकाली जागरूकता रैली

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा को स्वच्छ एवं सुगम बनाने के लिए केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों पर गुप्तकाशी से विद्याधाम तक जिला प्रशासन एवं सेवा इंटरनेशनल संस्था के सहयोग से स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। गुरुवार को आयोजित जागरूकता रैली का शुभारंभ जिला कार्यक्रम अधिकारी/नोडल अधिकारी स्वच्छता अभियान अखिलेश मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत एवं सेवा इंटरनेशनल संस्था के जिला प्रभारी मनोज बेंजवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। रैली में बड़ी संख्या में गुप्तकाशी के विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी स्कूलों की उच्च कक्षा के विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवकों, महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, महिला मंगल दल, सेवा इंटरनेशनल के कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधान और स्थानीय जनता द्वारा विद्याधाम से गुप्तकाशी बाजार तक रैली निकाली गई। सभी ने स्वच्छता और सफाई संबंधी नारे लगाते हुए मुख्य मार्ग पर पड़े कूड़े को इक_ किया गया। दुकानदारों से अपनी दुकानों के आगे सूखे और गीले कूड़े के लिए अलग-अलग कूड़ादान रखने का आग्रह किया गया। वक्ताओं ने कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा न केवल पूरी दुनिया में अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के कारण विख्यात है बल्कि यह हमारी आर्थिकी का भी बहुत बड़ा संबल है। ऐसे में हमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना है। इस मौके पर रैली में मौजूद लोगों ने स्वच्छता की शपथ ली। रैली में प्रतिभाग करने वाले लोगों ने 40 बोरे प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया। इस मौके पर सीडीपीओ ऊखीमठ देवेंद्र कुंवर, कर अधिकारी जिला पंचायत गोविंद तिवारी, ग्राम प्रधान गुप्तकाशी प्रेम सिंह, समाज सेवी नीरज कुमार, चाणक्य कफरुवान, सोनम भंडारी, उपासना सेमवाल सहित क्षेत्र के व्यापारी, जनप्रतिनिधि, महिला मंगल दल के सदस्य व सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

डीएम सोनिका के नेतृत्व में मॉक अभ्यास में दिखी प्रशासन की चुस्ती फुर्ती

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 अप्रैल , चारधाम यात्रा एवं मानसून सीजन में आपदा प्रबन्धन की तैयारियों के दृष्टिगत जनपद में मॉक अभ्यास आयोजन किया गया। मॉकड्रिल के अनुसार सुबह जिला अपदा प्रबन्धन कार्यालय के कन्ट्रोलरूम में दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई है कि महाराणा प्रताप स्टेडियम रायपुर के समीप ओआईसिस स्कूल के पास नदी में बाढ आने से तटीय क्षेत्र में कुछ बच्चे फंसे हुए हैं। सूचना का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी/ स्सिपांस आफिसर सोनिका ने आईआरएस को सक्रिय करते हुए आईआरएस से जुड़े अधिकारियों को अपना दायित्व का निर्वहन करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी सोनिका ने आपदा परिचालन केन्द्र में पंहुचकर दोनों घटनाओ के सम्बन्ध में राहत बचाव कार्यों की मॉनिटिरिंग करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार को जनपद की रेस्क्यू कार्यों की पलपल की स्थिति की जानकारी दी।

जिलाधिकारी/ रिस्पांस आफीसर के निर्देशों के अनुपालन में आईआरएस से जुडे. सभी अधिकारी अपने-अपने ड्यूटी स्थल में पंहुचे। आईआरएस सिस्टम के अनुसार सभी अधिकारी अपने कार्य में जुट गए, जबकि अधीनस्थ एवं सम्बन्धित विभागीय अधिकारी/कर्मचारी स्टेजिंग एरिया में एकत्रित होकर राहत एवं बचाव कार्यों हेतु प्रभावित क्षेत्र के लिए अपने-2 संसाधनों के साथ रवाना हुए। जहां पर रेस्क्यू टीमों द्वारा प्रभावित क्षेत्र में फसें लोगों का बाहर निकाला। इस दौरान 10 लोग घायल हुए जिनमें से 01 घायल को जिला अस्पताल देहरादून तथा 04 घायलों को सीएचसी केन्द्र रायपुर तथा 04 सामान्य घायलो को ओआईसिस स्कूल में बने स्वास्थ्य कैम्प में उपचार कर छुट्टी दी गई, जबकि 01 व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जिसका शव बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के उपरान्त परिजनों को सौंप दिया गया।

वहीं बाढ से करीब 16 घरों को क्षति हुई जिनमें 01 आवासीय भवन पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त, 02 भवन तीक्ष्ण रूप से क्षतिग्रस्त 04 भवन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त तथा 09 भवनों में मलबा घुसने से क्षति हुई है। घटना के दौरान 01 पशु की मृत्यु हो गई 1 पशु गंभीर घायल तथा 01 पशु साधरण घायल हुआ तथा 07 पशुओं को रेस्क्यू किया। इस दौरान जल स्तर बढने की संभावना के दृष्टिगत एहतियात के तौर पर सौंग नदी किनारे बसे 10 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पंहुचाया गया। डीआईजीए/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर द्वारा प्रभावित क्षेत्र में पंहुचकर आपदा बचाव कार्यों का सम्पादन/मॉनिटर किया तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा ने प्रभावित क्षेत्र में पंहुचकर राहत बचाव कार्यों को सम्पादित किया। वहीं आपदा के दृष्टिगत महाराणा प्रताप स्पोर्टस कालेज में बनाये गए स्टेजिंग एरिया में उप जिलाधिकारी सदर, नगर मजिस्ट्रेट एवं अन्य 16 विभागों अधिकारी कर्मचारी सहित एनडीआरफ, एसडीआरफ, पुलिस द्वारा उपकरणों के साथ पंहुचकर प्रभावित क्षेत्र में राहत बचाव कार्य सम्पादित किया गया। इसी दौरान तहसील कार्यालय ऋषिकेश से आपदा परिचालन केन्द्र में प्रातः 10:20 बजे सूचना प्राप्त हुई कि ऋषिकेश बस स्टैण्ड पर भगदड़ मच गई, तथा कई लोग घायल हो गए। जिला आपदा परिचालन केन्द्र से थाना, चैकी प्रभारी को मयफोर्स मौके पर पंहुचने की सूचना दी गई। ऋषिकेश बस स्टैण्ड में भगदड़ के समय बस स्टैण्ड पर लगभग 7-8 हजार के बीच लोग उपस्थित थे। भगदड़ की सूचना पर स्थानीय थाना एवं चैकी की फोर्स सहित राजस्व विभाग, पुलिस एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौके पर पंहुचकर स्थिति पर काबू पाया, भगदड़ में 05 व्यक्ति घायल हुए जिनमें 03 सामान्य घायलों को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया तथा 02 गंभीर घायलों को उपचार हेतु एम्स चिकित्सालय में भर्ती किया गया।

मॉक अभ्यास के उपरान्त डी-ब्रीफिंग की गई जिसमें डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने राज्य आपदा परिचालन केन्द्र को राहत बचाव कार्यों की जानकारी दी गई। मॉक अभ्यास के दौरान पाई गई कमियों आदि बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा हुई तथा भविष्य के लिए तैयारियां और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ बनाने के निर्देश दिए गए। आपदा कन्ट्रोलरूम में जिलाधिकारी सोनिका, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, मुख्य कोषाधिकारी रोमिल चैधरी, सहायक निदेशक सूचना बीसी नेगी, ई-डिस्ट्रक्ट मैनेजर सुरेश सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं जिला सूचना अधिकारी बी.सी नेगी द्वारा आपदा से सम्बन्धित पलपल की जानकारी मीडिया को दी गई। स्टेजिंग एरिया एवं प्रभावित क्षेत्र में डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चैहान, एसडीआरफ, एनडीआरफ, पुलिस सहित, लोनिवि, सिंचाई, विभाग सहित 16 अन्य विभागों के अधिकारी कार्मिक रेस्क्यू कार्यों में उपस्थित रहे। ऋषिकेश में उप जिलाधिकारी/इंस्डिडेंट कमाण्डर सौरभ अस्वाल ने स्थानीय पुलिस अधिकारी,एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं राजस्व विभाग के अधिकारी कार्मिक उपस्थित रहे।

मॉक एक्साइज में दिखी SDRF चीफ रिद्धिम अग्रवाल की शानदार तैयारी , एनडीएमए ने दिए सुझाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अप्रैल , एनडीएमए (राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण) ने उत्तराखण्ड में 22 अप्रैल को प्रारम्भ होने वाली चारधाम यात्रा के सफल संचालन तथा राज्य में बेहतर आपदा प्रबन्धन हेतु डिजास्टर मेनेजमेंट सिस्टम को मोडिफाई करने, सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच बेहतर समन्वय व प्रभावी कम्युनिकेशन, आधुनिकतम टेक्नॉलॉजी के अधिकाधिक इस्तेमाल, ड्रोन का उपयोग व ड्रोन सहित सभी संसाधनों की जीआईएस मैपिंग, भूकम्प जैसी आपदाओं के दौरान सेटेलाइट इमेजनरी के उपयोग, राज्य के सभी अस्पतालों को आपदाओं के दृष्टिगत अपने इमरजेंसी सिस्टम को मोडिफाई करने, अस्पतालो को अपनी सर्ज कैपिसिटी बढ़ाने, अस्पतालों को एक प्रभावी आपदा प्रबन्धन प्लान को अपनाने के सुझाव दिए है। एनडीएमए ने सुझाव दिए है कि राज्य में आपदाओं के बेहतर प्रबंधन हेतु विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के मध्य प्रभावी कम्युनिकेशन हेतु दोतरफा संवाद को कायम करना होगा। इसके साथ ही एनडीएमए का सुझाव है कि चारधाम यात्रा के दौरान विभिन्न यात्रा रूट्स पर यात्रियों की संख्या या रियल टाइम इन्फोर्मेशन को प्रत्येक 24 घंटे में अद्यतन व प्रदर्शित किया जाना चाहिए। चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों को यात्रा के दौरान संभावित स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। एनडीएमए ने आपदाओं के बेहतर प्रबंधन हेतु एक्शन बेस्ड प्लान पर बल दिया। इसके साथ ही मूलभूत सुविधाओं वाले राहत शिविरों की पूर्व में ही व्यवस्था हेतु भी सुझाव दिए गए। चारधाम यात्रा तथा आपदाओं के प्रबंधन के दौरान ट्रैफिक कण्ट्रोल, क्राउड मैनेजमेंट, चारो धामों के विभिन्न आपदा संभावना वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलों (ब्रिज) की व्यवस्था की बात भी कही गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (एनडीएमए) भारत सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) द्वारा 22 अप्रैल को प्रारम्भ होने जा रही चारधाम यात्रा 2023 का सफलतापूर्वक संचालन तथा आपदा प्रबन्धन का मॉक अभ्यास गुरूवार को चमोली, उत्तरकाशी, रूद्रप्रयाग, पौड़ी, टिहरी, हरिद्वार एवं देहरादून जिलों में सफलतापूर्वक संचालन हुआ। सचिव उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण डा. रंजीत कुमार सिन्हा तथा एनडीएमए सदस्य मेजर जनरल सुधीर बहल ने राज्य प्रशासन, जिला प्रशासन, एनडीआरफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी व अन्य सम्बन्धित उच्चाधिकारियों के साथ सम्पूर्ण टेबिल टॉप अभ्यास एवं मॉक अभ्यास की समीक्षा की। मॉक अभ्यास के बाद सम्बन्धित जिला प्रशासन एवं एनडीएमए द्वारा तैनात ऑब्जर्वर से मॉक अभ्यास के दौरान गुड प्रैक्टिस, चुनौतियों तथा बेहतर आपदा प्रबंधन हेतु सुझाव आमंत्रित किये गए। सचिव आपदा प्रबंधन डा. रंजीत कुमार सिन्हा ने अग्नि जनित आपदाओं से निपटने के लिए पेयजल विभाग को राज्य में विभिन्न स्थानों पर वाटर टैंक भरने हेतु बनाये टैंकों के पुर्नद्धार हेतु तत्काल डीपीआर बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सचिव डा. सिन्हा ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों से आपदा प्रबन्धन हेतु बेहतरीन एवं आधुनिकतम संसाधनों के उपयोग की बात कही। उन्होंने आपदा प्रबंधन में सुधार हेतु जल्द ही साइलेंट मॉक एक्साइज की भी बात की। आज जनपद उत्तरकाशी के तहसील बड़कोट में खारादी में भूकम्प, जानकीचट्टी में भगदड़ मचने, नालूपाली में एक बस के नदी में दुर्घटनाग्रस्त होने, जनपद चमोली के जीआईसी तपोवन में भूकंप के झटके महसूस होने, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.0 थी, जोशीमठ के चटवापीपल में बस दुर्घटनाग्रस्त होने, गोपीनाथ मंदिर गोपेश्वर में आग लगने, जनपद टिहरी के चाचा भतीजा नरेंद्रनगर में भूस्खलन, कीर्तिनगर में बागवान के पास भूस्खलन होने से कुछ यात्रियों के फंसे होने, जनपद देहरादून के मालदेवता में सौंग नदी में 3-4 बच्चों के फंसे होने, ऋषिकेश बस स्टेंड में भगदड़ मचने, जनपद पौड़ी के तहसील श्रीनगर में डुंगरीपंथ में भूकंप के झटके महसूस होने, पौड़ी धारी देवी में भगदड़ मचने से कुछ लोगों की दबने एवं कुछ की नदी में 04 लोगों की डूबने की सूचना तथा 15 लोगों की घायल होने जैसी आपदाओं के प्रबन्धन का मॉक अभ्यास किया गया । सभी मॉक अभ्यासों में खोज एवं बचाव कार्य पूर्ण कर लिए गए.इस अवसर पर एनडीएमए के सदस्य मेजर जनरल सुधीर बहल, महानिरीक्षक एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल, आई.आर.एस. विशेषज्ञ वी. बी. गणनायक सहित सेना, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।